आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–10 मई 2025 सान्ध्य समाचार

भारत और पाकिस्तान ने तत्काल प्रभाव से गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आज नई दिल्ली में इस संबंध में घोषणा की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने आज दोपहर संघर्ष विराम का आह्वान किया, जिसके बाद चर्चा हुई और सहमति बनी। सूत्रों ने बताया कि आज शाम पांच बजे सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर दोनों देशों के बीच सीधे तौर पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि किसी अन्य मुद्दे पर किसी अन्य स्थान पर बातचीत करने का कोई निर्णय नहीं हुआ है। सैन्य संचालन महानिदेशक बारह मई को दोबारा बातचीत करेंगे।

****

भारतीय सशस्त्र बलों ने, पाकिस्तान की लगातार बढ़ती और भड़काऊ कार्रवाइयों के जवाब में उसके तकनीकी बुनियादी ढांचे, कमान नियंत्रण केंद्र, रडार साइटों और हथियार भंडारण क्षेत्रों सहित सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए।

आज नई दिल्ली में ऑपरेशन सिंदूर पर एक विशेष प्रेस वार्ता में कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी।

पाकिस्तान द्वारा सैन्य ठिकानों को जानबूझकर निशाना बनाने के पश्चात भारतीय सशस्त्र बलों ने त्वरित और सुनियोजित जवाबी हमले के टेक्निकल इंस्टालेशन कमान एंड कंट्रोल सेंटर रडार साइट और हथियार भंडार को चुनकर निशाना बनाया गया। रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहमियार खान, सुकूर और चुनिया स्थित पाक सैन्य ठिकानों पर एयर लॉन्च्ड स्टीक हथियारों, लड़ाकू जेट से प्रहार किए गए। पसूर सहित रडार साइट और सियालकोट का एविएशन बेस भी प्रसीजन एम्युनेशन से टारगेट किए गए। इन कार्रवाइयों के दौरान भारत ने कम से कम कोलेटरल डैमेज की क्षति सुनिश्चित की।

,कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों को अग्रिम क्षेत्रों की ओर बढ़ते देखा गया है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पाकिस्तान स्थिति को और बिगाडना चाहता है।

पाकिस्तान सेना के अग्रिम क्षेत्रों में सैनिकों की डिप्लॉयमेंट बढ़ती दिख रही है, जो स्थिति को और भड़काने की मंशा दर्शाती है। भारतीय सशस्त्र बल पूर्ण परिचालन तत्परता की स्थिति में है। अभी तक सभी शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों का प्रभावी ढंग से सामना कर उपयुक्त जवाब दिया गया है। भारतीय सशस्त्र बल दोहराते हैं कि वे तनाव वृद्धि नहीं चाहते। बशर्ते, पाकिस्तान भी ऐसा ही व्यवहार करें।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तानी सेना पश्चिमी सीमाओं पर लगातार हमले कर रही है और भारत ने इन हमलों को प्रभावकारी तरीके से नाकाम कर दिया है। पाकिस्तान ने श्रीनगर से लेकर छलिया तक 26 से अधिक स्थानों पर हवाई मार्ग से घुसपैठ की कोशिश की, जिसमें से अधिकांश खतरों को निष्क्रिय कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हाई–स्पीड मिसाइलों का इस्तेमाल कर स्वास्थ्य केन्द्रों और स्कूलों को भी निशाना बनाया।

प्रेस वार्ता के दौरान, भारत ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए अपने हवाई ठिकानों के ताजा चित्र भी जारी किए। कर्नल कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तानी सरकार ने झूठा दावा किया था कि उसने अपनी हथियार प्रणालियों से सिरसा और सूरतगढ़ वायु केंद्रों को निशाना बनाया।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान की उकसाने वाली कार्रवाई तनाव बढ़ाने वाली है और भारत ने इसका संयमित तरीके से जवाब दिया। विदेश सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान ने नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का अपना घृणित और मनमाना अभियान जारी रखा है, खासकर जम्मू–कश्मीर और पंजाब राज्यों में।

इस बीच, भारत द्वारा सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने के बाद से पाकिस्तान में जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा के पांच कुख्यात आतंकवादी मारे जाने की सूचना है।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक की। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई के बीच यह बैठक नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर हुई।

इस बीच, केंद्र सरकार ने सभी मीडिया चौनलों को सलाह जारी की है कि वे सामुदायिक जागरूकता अभियान के अलावा अपने कार्यक्रमों में नागरिक सुरक्षा हवाई हमले के सायरन की आवाज का इस्तेमाल न करें। गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि सायरन के नियमित इस्तेमाल से हवाई हमले के सायरन के प्रति नागरिकों की संवेदनशीलता कम हो सकती है और नागरिक वास्तविक हवाई हमलों के दौरान इसे सामान्य बात समझ सकते हैं।

****

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिल कर कल लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट की शुरूआत करेंगे। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर दुनिया की सबसे विध्वंसक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइस ब्रह्मोस की प्रोडक्शन यूनिट शुरू हो जाएगी। भारत पाकिस्तान में तनाव के बीच यह यूनिट मील का पत्थर साबित होगी। इस मौके पर कई अन्य प्लांट का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा।

****